मेरे गुनाह के लिए तूने सजा

चाबु की मार से

कुछ न दिया मैंने कुछ न किया

बदले में प्‍यार के

ये क्‍या किया तूने क्‍यो ये किया

जान देके तूने ये जीवन दिया (2)

1. दर्द था मेरा जो तूने सहा,

चढ़के सलीब पे

कर्जा किया मेरा तूने अदा,

काँटों और कीलों से

पिफर भी न कम हुआ प्रेम तेरा

जान देके तूने ये जीवन दिया

2. मरते हुऐ मापफ करके गया जुल्‍म

सितम मेरे

मेरे लिए तू ने खाई सदा

दुनिया की ठोकरे

पिफर भी न कम हुआ प्रेम तेरा

जान देके तूने ये जीवन दिया